हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 22 अप्रैल 2025

10 20 साल पहले बनी थी सड़क, अब गड्ढों की भरमार, वाहन चालक परेशान

10 पूरी निष्ठा से निभाऊंगा जिम्मेदारी: महेश जोशी

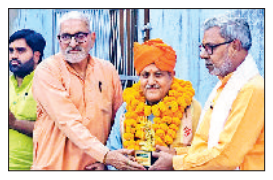

Affiliated to CBSE
MR SCHOOL
MITTERPURA | ATELI
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
कोटा की FACULTY अब MR SCHOOL ATELI में
JEE / NEET COACHING with KOTA Faculty Experts
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
अब MR में स्कूल व कोचिंग साथ-साथ
SAMBHAV CLASSES
VI to X Foundation Classes
XI to XII JEE / NEET
Special Coaching for CLAT / NDA CA-CPT OLYMPIAD
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI MANDI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

खबर संक्षेप

3 दिन में खोखे हटाने का अल्टीमेटम

नांगल चौधरी। नपा प्रशासन ने पावर हाउस मार्ग के अस्थाई दुकानदारों खोखे को नोटिस देकर तीन दिन में हटाने का अल्टीमेटम दिया है अन्यथा पुलिस की मदद से नपा प्रशासन अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई करेगा। जिसका खर्चा अमिक्रमकर्ता दुकानदारों से वसूला जाएगा। नपा सचिव सौरभ जैन ने बताया कि पावर हाउस मार्ग नपा की प्रॉपर्टी है, जिस पर कई लोगों ने खोखे रखकर अवैध कब्जा कर लिया है। खोखों में दुकानदारी होने से मार्ग पर अव्यवस्था की समस्या बढ़ गई है। जिसकी शिकायत मिलने पर नामजद सभी खोखा संचालकों को नोटिस देकर अतिक्रमण हटाने की हिदायत दी थी, लेकिन उन्होंने विभागीय नोटिस पर कोई अमल नहीं किया।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

नारनौल। बाछोद हवाई पट्टी के समीप बीती रात को अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 45 वर्षीय धन्नाराम वासी बेगसर थाना डिडवाना जिला नागौर राजस्थान के रूप में हुई है। जानकारी मुताबिक सोमवार प्रातः करीब साढ़े पांच बजे जीआरपी नारनौल के पास एक फोन कि पटरियों पर एक व्यक्ति की लाश पड़ी है। सूचना पाकर जीआरपी से पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा मौका मुआयना किया। जीआरपी इंस्पेक्टर कैलाश चंद शर्मा ने बताया कि घटनास्थल से आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव को नागरिक अस्पताल नारनौल की मोर्चरी में रखवा दिया है तथा मृतक के परिजनों को सूचित किया गया है।

152 डी पर नई बस का संचालन शुरू, महेंद्रगढ़ से सुबह 6.35 बजे चंडीगढ़ के लिए होगी रवाना

- महेंद्रगढ़ से बस का किराया होगा 370, एसी बस का चंडीगढ़ से चलने वाले समय में भी हुआ बदलाव

- नारनौल से सुबह 6 बजे बस का संचालन होगा शुरू, महेंद्रगढ़ से वाया बुचावास होते हुए जाएगी चंडीगढ़

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल/महेंद्रगढ़

नारनौल डिपो ने महेंद्रगढ़ से होते हुए नेशनल हाईवे 152-डी से रोडवेज बस सेवा शुरू की है। यह सुबह छह बजे नारनौल से चलकर महेंद्रगढ़ से वाया बुचावास नेशनल हाइवे 152-डी से होते हुए चंडीगढ़ जाएगी। बस का रात्रि ठहराव चंडीगढ़ में ही रहेगा। बता दें कि नारनौल से चंडीगढ़ 152-डी ग्रीन कॉरिडोर पर विभिन्न डिपो की ओर से बसों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें नारनौल, चंडीगढ़, अंबाला, दादरी, कुरूक्षेत्र व यमुनानगर डिपो शामिल हैं। 152 डी ग्रीन कॉरिडोर से बसों का संचालन शुरू होने के बाद जिला कुरूक्षेत्र, कैथल, करनाल, जींद, रोहतक, भिवानी, चरखी दादरी व महेंद्रगढ़ जिले के यात्रियों को लाभ मिल रहा हैं।

महेंद्रगढ़, दादरी, रोहतक से चंडीगढ़ रोडवेज बस में 410 रुपये किराया लगता है तथा महेंद्रगढ़ से 152 ग्रीन कॉरिडोर से रोडवेज बस में 370 रुपये किराया लगेगा। नई बस सेवा का संचालन शुरू होने के बाद महेंद्रगढ़ के साथ-साथ राजस्थान के गांवों को भी फायदा मिलेगा, क्योंकि सुबह के समय महेंद्रगढ़ से चंडीगढ़ के लिए कोई बस सेवा उपलब्ध नहीं थी। यात्रियों के सुबह के बस पकड़ने के लिए नारनौल या फिर बुचावास कट जाना पड़ता था। इसके अलावा परिवहन विभाग की ओर से नारनौल डिपो की ओर से चलाई जा रही एसी बस के समय में भी बदलाव किया है। बस अब चंडीगढ़ से शाम तीन बजे की बजाय शाम पांच बजे चंडीगढ़ से करीब रात 10 बजे महेंद्रगढ़ से होते हुए रात को 11 बजे नारनौल पहुंचेगी।

वाया महेंद्रगढ़ होकर जाने वाली बसों की समय सारिणी

डिपो	नारनौल का समय	महेंद्रगढ़ का समय	चंडीगढ का समय
नारनौल	सुबह 4:00 बजे	सुबह 4.30 बजे	दोपहर 12:00 बजे
नारनौल	सुबह 6 बजे	सुबह 6.35 बजे	शाम तीन बजे
नारनौल	सुबह 8 बजे	सुबह 8.30 बजे	शाम 5 बजे
दादरी	सुबह 9 बजे	सुबह 9.30 बजे	शाम 4 बजे
नारनौल	सुबह 10 बजे	सुबह 10.30 बजे	शाम 5.30 बजे
यमुनानगर	सुबह 11 बजे	सुबह 11.30 बजे	सुबह 7.30 बजे
कुरूक्षेत्र	सुबह 12 बजे	दोपहर 12.30 बजे	सुबह 8.30 बजे
नारनौल	दोपहर 2.15 बजे	दोपहर 3 बजे	सुबह 8 बजे
नारनौल	शाम 4 बजे	शाम 4.30 बजे	रात 9 बजे
दादरी	सायं 6:30 बजे	शाम 7 बजे	सुबह 6:20 बजे

152-डी ग्रीन कोरिडोर बस सेवा की समय सारणी

डिपो	नारनौल से चलने का समय	चंडीगढ से चलने का समय
चंडीगढ़	सुबह 5:00 बजे	शाम 4:00 बजे
अंबाला	सुबह 6: 42 बजे	शाम 4:40 बजे
चंडीगढ़	शाम 5.30 बजे	सुबह 6.30 बजे

महेंद्रगढ़ से 6:35 बजे होगी रवाना

परिवहन विभाग की ओर जारी की गई नई समय सारिणी के अनुसार यह बस नारनौल से सुबह 6 बजे चलकर 6.35 बजे महेंद्रगढ़ तथा 6.45 बजे बुचावास कट से होते हुए रात 11 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी। वहीं वापसी के लिए शाम को 3 बजे चंडीगढ़ से रवाना होकर 8 बजे महेंद्रगढ़ से होकर 8.30 बजे नारनौल पहुंचेगी।

फर्म के खाते के खिलाफ देशभर में करीब 236 शिकायतें

क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर 74 लाख की ठगी में आरोपी के खाते का हुआ था प्रयोग

- टेलीग्राम टास्क व इनवेस्टमेंट फ्रॉड के मामले में मुख्य आरोपित गिरफ्तार
- साइबर थाने की टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए फ्रॉड की सारी राशि करा दी थी फ्रीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

साइबर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 74 लाख रुपये का फ्रॉड करने के मामले में मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित को कानपुर से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया गया है। आरोपित की पहचान अक्षय निवासी पटेल मोहल्ला वार्ड नंबर 14 कस्बा व थाना बाबई जिला होशंगाबाद मध्यप्रदेश के रूप में हुई है। आरोपितों ने टेलीग्राम टास्क व इनवेस्टमेंट के नाम पर 74 लाख रुपये ठग लिए थे। मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने फ्रॉड की सारी राशि को फ्रीज करा दिया था। पुलिस ने मामले में संबंधित कंपनियों से पत्राचार कर आरोपित का पता लगाया। पुलिस ने जांच में पता लगाया कि साइबर फ्रॉड के मामले में आरोपित की फर्म और खाते का प्रयोग हुआ था। जांच में पता लगाया कि फर्म के खाते के खिलाफ देशभर में करीब 236 शिकायतें हैं।

क्या है मामला

शिकायतकर्ता राकेश ने साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई कि वह भारतीय वायु सेवा से सेवानिवृत्त है। जनवरी 2024 में उसने यूट्यूब पर एक विज्ञापन देखा, जो शेयर मार्केट में निवेश के संबंध में जानकारी, ट्रेनिंग, सलाह देने के बारे में थी, जिसमें एक वेबलिंक दिया हुआ था। विज्ञापन देखकर उसने लिंक पर क्लिक किया तो वह एक ग्रुप से जुड़ गया। वहां पर एक व्यक्ति ने अपना परिचय शेयर मार्केट ट्रेडिंग इंस्टीट्यूट के डीन के रूप में दिया। जिनकी बातों से प्रभावित होकर उसने ग्रुप की क्लासों को अटेंड करना आरंभ कर दिया। उक्त ग्रुप के लोगों ने बातों से उसे प्रभावित कर लिया और अप्रैल 2024 में क्रिप्टो करंसी के बारे में बताकर निवेश के बारे में सुझाव दिया गया। इसके बाद डीन ने सलाह दी की एक्सचेंज 120 डॉलर का बोनस नए सदस्यों को दे रहा है, इसलिए बोनस राशि से ग्रुप में मौजूद नए सदस्य स्वयं की कोई धनराशि निवेश में लगाए बिना शिकायतकर्ता ने एक्सचेंज में खुद को रजिस्टर्ड कर दिया और बोनस की राशि 120 डॉलर हासिल करके क्रिप्टो करंसी में व्यापार करना आरंभ कर दिया। जून 2024 में उसने लगभग 50 लाख रुपये जमा करवा दिए। जब क्रिप्टो करंसी का ड्रा घोषित हुआ, तो उसे 48645 कोइंस प्राप्त हुए। जिनकी कीमत उस दिन के भाव के अनुसार 26 करोड़ रुपये से भी अधिक थी। जब उसने रुपये विड्रॉल करने चाहे तो एक्सचेंज के अकाउंट मैनेजर ने कहा कि यूके एजेंसी एफसीए और अंतर राष्ट्रीय एजेंसी की ओर से भारत के खातों की वित्तीय लेनदेन की जांच के निर्देशानुसार सभी भारतीय खाता धारकों को यह सिद्ध करना होगा कि वह मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल नहीं हैं। इसके लिए उन्हें अपने अकाउंट से उनके अकाउंट में मौजूद धन राशि का एक परसेंट अकाउंट वेरीफिकेशन के लिए जमा करवाना होगा। इस पर शिकायतकर्ता को शक हुआ, उसने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ क्रिप्टो करंसी में निवेश के नाम पर ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई।

कनीना। अनाज मंडी में लगाए गए इलेक्ट्रॉनिक झारने का निरीक्षण करते मार्केट कमेटी व खरीद एजेंसी के अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

कनीना नई अनाज मंडी में लगी झारना मशीनें

- किसानों को नहीं होने दी जाएगी परेशानी : मार्केट कमेटी सचिव
- अब तक 203507 क्विंटल सरसों की हुई खरीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

नई अनाज मंडी चेलावास में सरसों खरीद एजेंसी की ओर से अधिकारियों को पत्र लिखने के बाद झारने उपलब्ध हो गए हैं। इस बारे में समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का असर हुआ है। जिसके चलते एक घंटे में करीब 25 क्विंटल सरसों की सफाई करने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीन उपलब्ध होने के बाद सरसों खरीद कार्य में तेजी आई है।

इस बारे में एनसीसीएफ के प्रतिनिधि दीपक दुबे ने बताया कि उनकी ओर से खरीद की गई सरसों का उठान कार्य अंतिम चरण में है। मुख्य खरीद अधिकारी रिषीपाल सिंह व क्वालिटी नियंत्रक अधिकारी रजनीश कौरव ने बताया कि नौ अप्रैल तक 1.14 लाख क्विंटल सरसों की खरीद कनीना मंडी से की गई है। मंडी में लगे झारनों का मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह, मंडी सुपराइजर सतीश कुमार, ओआर वीरेंद्र सिंह, खरीद एजेंसी स्टेट वेयर हाउस की प्रबंधक सीमा देवी बारीकी से निरीक्षण किया। मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने कहा कि खरीद कार्य के चलते किसानों के सामने किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को अगिहार, बेवल, बागोत, भड़फ, भोजावास, चेलावास, छितरोली, ढाणा, धनौंदा, दौंगड़ा अहीर, दौंगड़ा जाट, गाहड़ा गुढ़ा, गोमला, गोमली, इसराना के किसानों की सरसों खरीदी जाएगी। इसी प्रकार 23 अप्रैल को झाड़ली, झिगावन, ककराला, कलवाड़ी, कनीना, कपूरी, करीरा, केमला, खरकड़ा बास, खेड़ी, खैराना, कोका, कोटिया, मानपुरा, मोहनपुर, मोड़ी, 24 को मुंडियाखेड़ा, नांगल, नौताना, पड़तल, पाथेड़ा, पोता, रामबास, रसूलपुर, स्याणा, सेहलंग, सिहोर, सुंदरह, तलवाना, उच्चत व उन्हाणी के किसानों से सरसों की खरीद की जाएगी।

5 माह के बच्चे की मौत को लेकर निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

महेंद्रगढ़। सीएचसी नांगल सिरोही में कार्यरत एमपीचडब्ल्यू मेल-फिमेल व एमपीएचएस मेल-फिमेल कर्मचारियों की बैठक सोमवार को सीएचसी नांगल सिरोही में हुई। बैठक की अध्यक्षता राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान ने की व संचालन अशोक देवनगर ने किया। बैठक में उपस्थित सभी कर्मचारियों ने पीएचसी देवास में कार्यरत शकुंतला पर वैक्सीन लगाने की वजह से बच्चे की हुई मौत का परिजनों द्वारा लगाए गए आरोप पर एसएमओ से मिलकर उसकी निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की। एसएमओ डॉ. प्रतीक यादव ने बताया कि हम पूरी तरह से निष्पक्ष जांच करवाएंगे और शकुंतला को किसी भी प्रकार की कोई चिंता नहीं करनी है और अपने काम को बिना किसी टेंशन के सुचारू रूप से करने की बात कही।

महेंद्रगढ़। सीएचसी में बैठक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। एसडीएम अनिल कुमार को ज्ञापन सौंपते नंबरदार। फोटो : हरिभूमि

नंबरदारों ने मांगों को लेकर सीएम को भेजा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

तहसील प्रांगण में सोमवार को नंबरदार एसोसिएशन की मीटिंग हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान नंबरदार राजकुमार जांगड़ा खातोदड़ा ने की। मुख्यमंत्री के नाम सीएम विंडो व एसडीएम के माध्यम से सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

नंबरदार राजकुमार जांगड़ा ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिस प्रकार चुनाव से पहले नंबरदारों को आश्वासन दिया था कि उनकी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा, उस वादे को निभाए। प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार के मुखिया हैं, इसलिए अपने किए हुए वचन अनुसार नंबरदारों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर हल करें। नंबरदार हमेशा से इस समाज में नागरिकों तथा सरकार के बीच की कड़ी रहे हैं। आमजन से जुड़े होने के चलते वह अपने क्षेत्र की समस्याओं को अच्छी तरह से जानते हैं। इसलिए नागरिकों की परेशानियों का हल करवाने के लिए प्रत्येक जिले में बनी कष्ट निवारण समिति में कम से कम उसे क्षेत्र के दो नंबरदारों को शामिल किया जाए। नए नंबरदारों की नियुक्ति की जाए, सरभरा नंबरदार बनाया जाए, 75 साल वालों को नंबरदार बनाए रखा जाए व अनेक मांगों पर जल्द से जल्द पूरा करवाए जाएं। इस मौके पर ब्रह्मसिंह नंबरदार, धर्मपाल नंबरदार, राम अवतार नंबरदार, रामचंद्र नंबरदार, सवाई सिंह नंबरदार, फूल सिंह नंबरदार, योगेंद्र नंबरदार, करण आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नए शिक्षा सत्र में कम बच्चों की संख्या से स्कूल बन्द होने पर चिंता जाहिर की

मांगों को लेकर मिड डे मील वर्कर एकजुट, किया प्रदर्शन

12 महीने का मानदेय दिया जए, न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये लागू किया जाए, ड्रेस की राशि दी जाए, ड्रेस की राशि बढ़ाई जाए, हर महीने की सात तारीख तक भुगतान किया जाए, पिछले दो महीने का बकाया मानदेय का भुगतान किया जाए, केन्द्र का बकाया एक हजार रुपये का भुगतान किया जाए, स्कूल बंद होने पर मिड डे मील कुक कम हेल्पर्स को भी निकटवर्ती स्कूल में समायोजन किया जाए, रिटायरमेंट उम्र 65 वर्ष की जाए, रिटायरमेंट पर एकमुश्त पांच लाख रुपये दिए जाए।

मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा सम्बंधित एआईयूटीयूसी की ओर से सैकड़ों मिड डे मील कार्यकर्ताओं ने सोमवार को यूनियन की राज्य महासचिव कुसुम पांचाल की बहाली सहित न्यायसंगत मांगों को लेकर लघु सचिवालय में विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा। इससे पूर्व मिड डे मील कार्यकर्ता लघु सचिवालय पार्क में एकत्रित हुए। इस अवसर पर आयोजित सभा की अध्यक्षता बिमला देवी ने की। इस अवसर पर बिमला व जिला सचिव सन्तोष यादव ने नए शिक्षा सत्र से कम बच्चों की संख्या से स्कूल बन्द होने पर चिंता जाहिर की तथा किसी भी मिड डे मील कुक कम हेल्पर्स को नहीं हटाने की मांग की। सभा को एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, मिड डे मील यूनियन जिला सचिव सन्तोष यादव, अटेली ब्लॉक प्रधान प्रेमलता, नारनौल ब्लॉक प्रधान माया, एआईयूटीयूसी जिला सचिव छाजूराम रावत, मुकेश कुमार, रेशमी देवी, मुन्नी देवी, माया ने सम्बोधित करते हुए राज्य महासचिव कुसुम पांचाल को झूठी शिकायत के आधार पर बदले की भावना से बर्खास्त करने पर रोष प्रकट किया तथा तत्काल बहाली की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि मिड डे मील कुक कम हेल्पर्स बेहद गरीब परिवारों से हैं तथा बेहद मामूली मानदेय पर स्कूलों में खाना बनाने का काम करते हैं। जिनकी आजीविका का यही एकमात्र स्रोत है, बेहद मामूली मानदेय भी समय पर नहीं दिया जाता। ऐसे में मिड डे मील कार्यकर्ताओं के सामने गम्भीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि परिवार के जीवन यापन के लिए समय पर मानदेय भुगतान बेहद जरूरी है। वक्ताओं ने स्कूल के बन्द होने की स्थिति में निकटवर्ती स्कूल में समायोजन की मांग की। इस मौके पर स्नेहलता, मुनेश, पुष्पा, पूनम, सावित्री, फूला देवी, राजबाला, राजेश, सुनीता आदि वर्कर मौजूद थी।

ये मांगें

ज्ञापन में मांग की कि राज्य महासचिव कुसुम पांचाल को तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाए, 12 महीने का मानदेय दिया जए, न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये लागू किया जाए, ड्रेस की राशि दी जाए, ड्रेस की राशि बढ़ाई जाए, हर महीने की सात तारीख तक भुगतान किया जाए, पिछले दो महीने का बकाया मानदेय का भुगतान किया जाए, केन्द्र का बकाया एक हजार रुपये का भुगतान किया जाए, स्कूल बंद होने पर मिड डे मील कुक कम हेल्पर्स को भी निकटवर्ती स्कूल में समायोजन किया जाए, रिटायरमेंट उम्र 65 वर्ष की जाए, रिटायरमेंट पर एकमुश्त पांच लाख रुपये दिए जाए।

हरिभूमि
सहेली

विशेष : पृथ्वी दिवस

आज धरती का अस्तित्व खतरे में है। प्रदूषित पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग हमारी धरती के सामने बहुत बड़े संकट बनकर खड़े हैं। इस समस्या को वही गहराई से समझ सकता है, जो संवेदनशील है। ऐसी संवेदनशीलता महिलाओं में ही दिखती है। धरती हरी-भरी रहे, संरक्षित रहे, इसके लिए महिलाएं भी निरंतर एक प्रतिबद्धता के साथ काम भी कर रही हैं। दुनिया भर के पर्यावरणविद भी इस बात को स्वीकारते हैं कि हमारे पर्यावरण को सरकारें नहीं, महिलाएं ही बचा सकती हैं। पृथ्वी के संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी पर एक जरूरी विमर्श।

महिलाओं के ही हाथ सुरक्षित है धरती

आवरण कथा

संध्या सिंह

पृथ्वी केवल एक ग्रह ही नहीं है, हम पृथ्वी को धरती मां भी कहते हैं। ठीक उसी तरह जैसे स्त्री केवल एक इंसान भर नहीं है, वह मां भी है। धरती और स्त्री दोनों में बहुत-सी समानताएं हैं, दोनों ही जीवन देती हैं, दोनों ही जीवन को पालती हैं, वह भी बिना किसी स्वार्थ के उसे सहेजती भी हैं। इसलिए जब हम पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) मनाते हैं, तो दिलो-दिमाग में यह आना स्वाभाविक है कि धरती को बचाने की सबसे मजबूत आशा महिलाओं से ही की जाती है। विशेषकर उन महिलाओं की ओर हमें देखना होगा, जो मिट्टी से जुड़ी हैं, जंगल को जानती-समझती हैं, जल संरक्षण करती हैं, जिनके कंधों पर सदियों से कृषि का भार रहा है। ये सब महिलाएं हैं, जिन्हें चाहे कोई कहे या न कहे, ये पर्यावरण की स्वतः रक्षक हैं। इसलिए दुनिया को धरती बचाने की मुहिम में महिलाओं को कारगर भूमिका में लाना चाहिए, तभी धरती के बचने की उम्मीद की जा सकती है।

पृथ्वी-स्त्री दोनों हैं जन्मदायिनी शक्तियां: प्रकृति को भी भारतीय परंपरा में धरित्री, वसुधा और भूमाता कहा जाता है, क्योंकि स्त्री की तरह पृथ्वी या धरती भी जननी है। दोनों ही जीवन की संरचना और निरंतरता का आधार हैं। दोनों ही सृजन करती हैं,

एक धरती को हरा-भरा करती है, दूसरी कोख को। दोनों का मूल स्वभाव सहनशीलता और पुनर्निर्माण है, क्योंकि दोनों में संवेदना है। यह अकारण नहीं है कि गांव की लाखों महिलाएं, जो रोज जंगल से लकड़ियां बीन कर लाती हैं, कुएं-पोखरों से पानी भरती हैं, वे कुदरत से बिना कुछ चाहे खुशी-खुशी स्वयंसेवकों की तरह रक्षा करती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो समय-समय पर जंगलों की रक्षा के लिए सैनिकों की तरह आगे बढ़कर आई हैं। महिलाएं ही हैं, जो खेतों में जैविक खाद डालती हैं, पेड़ों को कटने से बचाती हैं, क्योंकि उन्हें पता है पेड़ नहीं होंगे तो बारिश नहीं होगी। पूरी दुनिया में अब तक जितने भी जंगल बचाने के लिए आंदोलन हुए हैं, हमेशा इन आंदोलनों में महिलाओं ने न सिर्फ बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी की है बल्कि पहली कतार में वही रही हैं।

क्या कहते हैं शोध: संयुक्त राष्ट्र संघ की शोध रिपोर्ट बताती है कि जिन देशों में पर्यावरणीय नीतियों में महिलाओं की भागीदारी होती है, वहां वनों की कटाई, जल प्रदूषण और जैव विविधता पर सकारात्मक असर देखने को मिलता है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र दुनिया की सभी सरकारों से कहता है कि वो महिलाओं को स्वच्छ ऊर्जा तकनीक, वनीकरण और स्थाई खेती से जोड़ें। क्योंकि महिलाएं जलवायु परिवर्तन की लड़ाई में निर्णायक रूप से भूमिका निभाती हैं। दरअसल, जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो वे न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि शैक्षिक रूप से भी निर्णय लेने की क्षमता रखती हैं। देखा गया है कि महिलाएं हमेशा पर्यावरण के प्रति अनुकूल भाव रखती हैं, वे हमेशा हरित विकल्पों को तरजीह देती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो दुनिया में 90 फीसदी जल संग्रह करती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो जैविक बागवानी का बोझ अपने कंधों पर उठाए हुए हैं। स्थानीय स्तर पर शुद्ध बीजों की सुरक्षा महिलाओं की बदौलत ही हो पा रही है।

धरती और स्त्री दोनों शोषित: शायद इसलिए भी धरती के बोझ का दुख महिलाएं ज्यादा संवेदनशीलता से समझती हैं, क्योंकि धरती की तरह ही वे भी शोषित हैं। महिलाओं को समाज में अकसर निचले स्तर के कामों तक सीमित रखा जाता है। शिक्षा से वंचित और निर्णय लेने के मामले में उन्हें बाहर रखा जाता है, इसलिए दुनिया में कई तरह की अव्यवस्थाएं हैं, कई तरह की आक्रामकताएं हैं, क्योंकि नीतिगत निर्णय के मामले में महिलाओं को पुरुषों ने जान-बूझकर पीछे रखा है। वक्त आ गया है कि अब इस अन्याय को सुधारा जाए और धरती और स्त्री दोनों को ही सम्मान मिले, दोनों को ही अपनी-अपनी संवेदनशीलता के लिए आवाज मिले, क्योंकि धरती का दुख महिलाएं ही बेहतर जानती हैं। इसलिए महिलाओं के हाथ में ही धरती की सुरक्षा का भार सौंपना अक्लमंदी है।

धरती का अंधाधुंध दोहन नहीं करतीं महिलाएं: महिलाओं के हाथों में धरती को इसलिए सुरक्षित माना गया है, क्योंकि वो अंधाधुंध दोहन के दर्शन को नहीं मानतीं, वे मिलकर जीने के सिद्धांत की समर्थक होती हैं। महिलाएं कभी भी पर्यावरण को उस तरह हृदयहीनता से नुकसान नहीं पहुंचातीं, जैसे आमतौर पर धरती को पुरुष नुकसान पहुंचाते हैं। महिलाएं शांति पसंद होती हैं, वे पर्यावरण के साथ बेरहमी से पेश नहीं आतीं, इसलिए वक्त आ गया है कि धरती के सामने जो सवालिया निशान लगा है, उस निशान को हटाने के लिए यह भूमिका महिलाओं की दी जानी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षक

महिलाएं जन्मजात पर्यावरण संरक्षक होती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो भारत के गांवों में जलस्रोतों की देखभाल करती हैं, पूरे देश में जैविक खाद तैयार करती हैं, बीजों को सहेजती हैं। जंगल, चारागाह, तालाब ऐसी विरासतें हैं, जिनकी देख-रेख आज भी महिलाओं के कंधों पर ही टिकी है, क्योंकि इनके प्रति उनका बेहद संवेदनशील रवैया है। ये महिलाओं का स्वभाव ही है, जो उन्हें पर्यावरणीय फैसलों का स्वाभाविक अगुवा बना देता है। यह सिर्फ अपने देश तक ही सीमित नहीं है, संयुक्त राष्ट्र संघ भी इस बात की तस्दीक करता है कि धरती के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशीलता अगर कोई रखता है तो वे महिलाएं हैं। साल 1973 में जब भारत में चिपको आंदोलन हुआ था तो ये महिलाएं ही थीं, जो पेड़ों से चिपक जाती थीं। लकड़हारों से कहती थीं, 'अगर पेड़ काटना है, तो पहले हमें काटो।' महिलाओं ने पेड़ों के लिए खुद को दांव पर इसलिए लगाया, क्योंकि वे जानती हैं कि पेड़ नहीं होंगे तो हवा जहरीली हो जाएगी। शायद इसीलिए दुनियाभर के पर्यावरणविद कहते हैं, 'दुनिया के पर्यावरण को सरकारें नहीं बचा सकती, उन्हें सिर्फ महिलाएं ही बचा सकती हैं।'

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

किताबें सिखाती हैं जीना

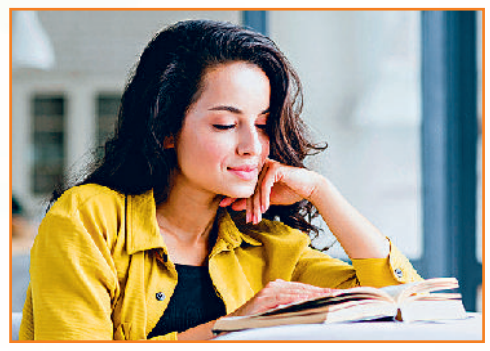

इस नए दौर में अधिकांश लोग हाथों में मोबाइल लिए सोशल मीडिया की दुनिया में खोए रहते हैं। किताबें पढ़ने की हमारी आदत खत्म होती जा रही है, जबकि किताबें हमारी सबसे भरोसेमंद दोस्त होती हैं, जीने की सही राह दिखाती हैं, जो जिंदगी की खुशहाली के लिए जरूरी है।

सलाह

सरस्वती रमेश

भावना बहुत अच्छी जॉब में थी, लेकिन एक एक्सीडेंट के चलते उसे अपना बायां पैर खोना पड़ा, जॉब छोड़नी पड़ गई। चलने से मजूबर भावना घर के एक कमरे में सिमट कर रह गई। पति ऑफिस चले जाते, बच्चे स्कूल। घर में बस वह अकेली बचती। उसे टीस होती कि अपने खोए पैर के कारण अब वह जीवन में कुछ नहीं कर पाएगी। धीरे-धीरे वह बहुत परेशान रहने लगी, चिड़चिड़ी हो गई। अपनी स्थिति के बारे में लगातार सोचने से वह मानसिक रूप से बीमार रहने लगी। उसका किसी काम में मन नहीं लगता था। तभी एक दिन भावना की सहेली ने उसे एक किताब गिफ्ट की। यह किसी दिव्यांग महिला की ऑटोबायोग्राफी थी कि उसने कैसे अपना जीवन संवारा और आत्मनिर्भर बनी। किताब को पढ़ते ही भावना के भीतर नई आशाएं जागीं। फिर क्या था, भावना ने किताबों से दोस्ती कर ली। हर हफ्ते एक नई किताब पढ़ती। इन्हें पढ़ने से उसे नई दृष्टि मिली। वह अपने आपको ऊर्जावान महसूस करती। साल भर बाद उसने महसूस किया कि किताबें पढ़-पढ़ कर वह इतना कुछ जान-समझ चुकी है कि उसे अपनी विकलांगता से कोई शिकायत नहीं रही। उसने अपनी लाइफ नए सिरे से प्लान की, भविष्य की सुनहरी राह बनाई। अब वह आत्मनिर्भर है, दूसरों के लिए एक मिसाल है।

हर किसी को पढ़नी चाहिए किताब: किताबें हम सबकी सच्ची दोस्त होती हैं। क्योंकि किताबें हमारा अकेलापन छांटती हैं, जीने का सलीका सिखाती हैं। जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती हैं। मुश्किलों से उबरने की तरकीब भी बताती हैं। हमारा आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। किताबें पढ़कर हम हर तरह का ज्ञान अर्जित करते हैं, बौद्धिक रूप से समृद्ध होते हैं। किताबें महिलाओं के सशक्तीकरण की राह बनाती हैं।

पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती: कुछ लोगों को यह कहते हुए सुना जाता है कि अब हमारी पढ़ने की उम्र नहीं रही। बुढ़ापे में पढ़कर क्या होगा? ऐसे लोगों को केरल की भागीरथी अम्मा से सबक लेना चाहिए, जो अब इस दुनिया में नहीं रहीं। उनको किताबें पढ़ने का जुनून था, इसलिए उन्होंने 105 साल की उम्र में चौथी क्लास की परीक्षा दी और पास हुईं। किताबें पढ़ने की अपनी इच्छा उन्होंने पूरी की। इसी तरह महाराष्ट्र के बारामती की रहने वालीं बेबी गुरव को परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण बचपन में ही अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी। सालों बाद जब उनका बेटा दसवीं में पहुंचा तो बेबी ने भी बेटे के साथ ही दसवीं की परीक्षाएं दीं और और पास भी हुईं। अब वह जमकर अपनी मनपसंद किताबें पढ़ती हैं, ज्ञान बढ़ाती हैं। ये कहानियां हमें बताती हैं कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। उसके लिए सिर्फ हमें किताबों से प्रेम करना आना चाहिए।

तन्हाई की सबसे भरोसेमंद साथी: माता-पिता की जिंदगी में एक ऐसा समय आता है, जब उनके बच्चे पढ़ने या जॉब करने के लिए घर से दूर चले जाते हैं। शादी के बाद अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाते हैं। ऐसे में अकेले रह रहे माता-पिता के लिए किताबें अच्छी दोस्त साबित होती हैं। मन को शांत, एकाग्र और स्वस्थ रखने में किताबें इनकी मदद करती हैं।

उम्र बढ़ाती हैं किताबें: किताबें हमारे दिमाग को स्वस्थ और संतुलित रखने में मददगार होती हैं। शोध बताते हैं, नियमित रूप से किताबें पढ़ने से ब्लड प्रेशर सही रहता है। चूंकि किताबें हमारा मनोरंजन करती हैं, इसलिए इनसे तनाव कम होता है। शोध तो यहां तक कहते हैं कि किताबें पढ़ने से उम्र लंबी होती है।

बदलती है समाज की सोच: किताबें पढ़कर हम उन्नत विचारों को ग्रहण करते हैं, रूढ़िगत परंपराओं से बाहर आते हैं। किताबें परिवार-समाज को विचारों से प्रगतिशील बनाती हैं। इस तरह किताबें समाज में एक अच्छा बदलाव लाती हैं। इसलिए अपना और दूसरों का भी जीवन बदलने के लिए अधिक से अधिक किताबें पढ़ें।

इंटीरियर

अनु आर.

घर की दीवारों को सजाने के लिए पेंट या वॉल पेपर का चयन करना थोड़ा मुश्किल होता है। दरअसल, दोनों के अपने-अपने प्लस और माइनस प्वाइंट्स होते हैं। इसलिए अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार आप किसी का भी चुनाव कर सकती हैं।

चुनें वही जो हो पसंद वॉल पेपर या पेंट

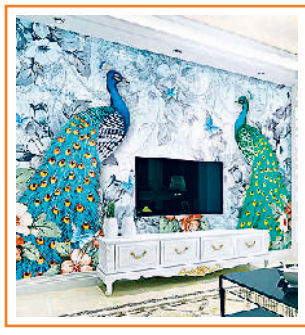

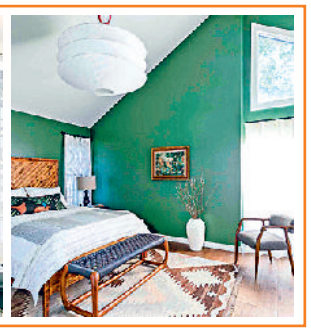

आमतौर पर जब बात घर और ऑफिस के इंटीरियर की आती है तो लोग वॉल पेंट को प्रमुखता देते हैं। इसमें कई स्टाइल, डिजाइन, पैटर्न से घर की दीवारों को सजाने के ऑप्शंस होते हैं। हालांकि पेंट और वॉल पेपर दोनों ही घर के इंटीरियर में अलग-अलग तरह के बदलाव लाते हैं। लेकिन दोनों के ही अपने-अपने फायदे और नुकसान होते हैं। आप इनमें से किसका चयन करना चाहती हैं, यह आपकी पसंद और जरूरत पर निर्भर करता है। इन दोनों में से कौन-सा ज्यादा अच्छा होता है, इसके बारे में अलग-अलग राय हो सकती है।

वॉल पेपर की क्वालिटीज: वॉल पेपर लोगों द्वारा इसलिए कम पसंद किए जाते हैं, क्योंकि इसे एक बार लगाने के बाद इसे हटाने का प्रोसेस थोड़ा मुश्किल होता है और इसके लिए प्रोफेशनल की मदद लेनी पड़ती है। उसकी तुलना में पेंट करवाना लोगों को ज्यादा सरल लगता है। वॉल पेपर किसी भी कमरे के एस्थेटिक्स में एक नया बदलाव ले आते हैं। जबकि पेंट में उतनी वैरायटी उपलब्ध नहीं होती। हालांकि वॉल पेपर्स हर घर के लिए उपयुक्त साबित नहीं होते। जिन घरों में बच्चे छोटे होते हैं और जहां पेट्स होते हैं, वहां वॉल पेपर जल्द खराब होने का डर रहता है। इसके अलावा जिन घरों की दीवारों में सीलन ज्यादा होती है, सीलन के कारण वॉल पेपर की शेप खराब हो जाती है और ये फूल जाती हैं। हालांकि वॉल पेपर की खूबी है कि इन पर अगर दाग या धब्बे लग जाते हैं तो उन्हें आसानी से रिमूव किया जा सकता है। अगर वॉल पेपर डैमेज हो जाते हैं तो इन्हें दोबारा फिक्स करवाया जा सकता है। हालांकि एक बार अगर वॉल पेपर घर की दीवारों पर लगा दिया जाता है और उसकी केयर की जाए तो यह कम से कम दस साल तक सही रहता है। वॉल पेपर में दीवारों के स्क्रेच या खुरदरेपन को छुपाया जा सकता है, जबकि पेंट में यह संभव नहीं होता। घर अगर बड़ा है और बड़ी दीवारों के लिए वॉल पेपर का इस्तेमाल किया जाता है तो इनमें आने वाले ज्वाइंट्स को अच्छी तरह से बनाना चाहिए। इनमें आने वाले क्रेक्स को भी ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है।

वॉल पेंट की खासियत: वॉल पेपर और पेंट की तुलना करने पर हम पाते हैं कि पेंटिंग में काफी समय लगता है, कई मजदूरों की जरूरत पड़ती है। बाद में घर की साफ-सफाई भी अच्छे से करनी पड़ती है। वॉल पेंट सीलन भरी दीवारों पर जल्दी खराब तो होता ही है, बच्चे या पेट्स इन पर दाग-धब्बे लगा देते हैं और थोड़े समय बाद दीवारों पर पेंट पुराने लगने लगते हैं। अगर उस जगह तेज धूप आती हो तो पेंट और भी जल्दी खराब हो सकता है। हालांकि इसके बावजूद वॉल पेंटिंग को अधिकांश लोगों द्वारा पसंद किया जाता है और इसे अधिक टिकाऊ माना जाता है।

वॉल पेपर का बजट: वॉल पेपर को लगाने के लिए किसी प्रोफेशनल की जरूरत होती है, जबकि पेंट करने का काम आप फैमिली मेंबर्स के साथ मिलकर स्वयं भी कर सकती हैं। पेंट जगह-जगह से उखड़ जाता है तो इसकी आप खुद रिपेयरिंग भी कर सकती हैं। जबकि वॉल पेपर पर खर्च ज्यादा आ सकता है।

उपलब्ध हैं कई वैरायटीज: वॉल पेंट हो या वॉल पेपर, दोनों में ही कई तरह के प्रयोग किए जा सकते हैं। वॉल पेपर में तो बहुत सारे डिजाइन और वैरायटीज आपको मिल जाएंगी, जो घर के इंटीरियर में पूरी तरह बदलाव ला देती हैं। वॉल पेपर के डिजाइन घर को ज्यादा स्पेशियस दिखाते हैं। उनको कस्टमाइज्ड कराया जा सकता है और इन्हें ऑर्डर पर भी लाया जा सकता है।

केयर

सरिता गुप्ता

इस मौसम में ऐसे करें स्किन केयर

गर्मी के मौसम में स्किन का बहुत ध्यान रखना पड़ता है, नहीं तो तेज धूप की वजह से स्किन पर रैशेज, टैन, सनबर्न और एक्ने जैसी बहुत-सी प्रॉब्लम हो सकती हैं। ऐसा आपके साथ न हो, इसके लिए हम आपको ऐसे स्टेप्स बता रहे हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाए रख सकती हैं।

फेस वॉश करें: आप जब भी बाहर से घर लौटकर आएं तो सबसे पहले फेस वॉश जरूर करें। इससे आपके चेहरे पर जमा पसीना, धूल, प्रदूषण आदि सब साफ हो जाएगा। ऐसा करने से आप फ्रेश भी फील करेंगी। इसके साथ ही हफ्ते में एक बार स्क्रब भी कर सकती हैं।

सनस्क्रीन: वैसे तो सनस्क्रीन का यूज हर मौसम में करना चाहिए, लेकिन गर्मियों में तो घर से बाहर जाते समय एसपीएफ 30 वाली सनस्क्रीन का यूज जरूर करना चाहिए। यदि ज्यादा देर तक धूप में रहना हो, तो एसपीएफ 50 का यूज करें क्योंकि सूरज से निकलने वाली खतरनाक अल्ट्रावायलेट किरणें, हमारी त्वचा को काफी नुकसान पहुंचाती हैं। सनस्क्रीन हमारी त्वचा को धूप के सीधे संपर्क में आने से भी बचाती है।

एक्सफोलिएट: स्किन को हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएट जरूर करना चाहिए। इससे फेस बिल्कुल साफ नजर आता है। इसके लिए ऐसे स्क्रब का चयन करें, जो फेस की सूजन को कम करें और डीप क्लीन करे। यह स्किन के टेक्सचर को सुधारने के साथ-साथ झुर्रियों को भी दूर रखता है।

नाइट केयर: रात को सोते समय हमारी स्किन रिपेयरिंग का काम करती है। इसलिए रात को जब नाइट क्रीम का यूज करते हैं तो इससे स्किन रिंकल फ्री और ग्लो करने लगती है। इसके लिए आप ऐलोवेरा जैल का भी यूज कर सकती हैं। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं।

केमिकल प्रोडक्ट्स: जहां तक संभव हो स्किन केयर के लिए हमेशा बिना केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का यूज करना चाहिए। केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से स्किन पर एक्ने और रिंकल जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनकी जगह नेचुरल प्रोडक्ट्स यूज करें।

होम रेमेडीज: स्किन को हाइड्रेट करने और फ्रेशनेस बनाए रखने के लिए आप होममेड फेसपैक जैसे मुल्तानी मिट्टी, चंदन पावडर और गुलाब जल से बने फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इनसे स्किन को कूलिंग इफेक्ट और फ्रेशनेस बनाए रखने में मदद मिलती है।

मॉयश्चराइजर: गर्मियों में अकसर लोग स्किन को मॉयश्चराइज करना अवॉयड करते हैं, जबकि यह स्किन केयर का जरूरी स्टेप होता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार गर्मी में लाइट या वॉटर बेस्ड मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे स्किन ऑयली और डल न लगे। **(ब्यूटी एक्सपर्ट सीमा शर्मा से बातचीत पर आधारित)**

डाइट सजेशन

मुक्ता भावसार

गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी होता है। इससे आप एनर्जेटिक फील करेंगी। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी डाइट के बारे में, जो आपको रखेंगे हाइड्रेटेड।

गर्मी के मौसम में ऐसे रखें खुद को एनर्जेटिक-हाइड्रेटेड

गर्मी का मौसम अपने साथ लू, थकान और शरीर में पानी की कमी जैसी कई समस्याएं लेकर आता है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वैसे-वैसे शरीर से पसीने के रूप में पानी और जरूरी मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं। ऐसे में अगर शरीर को समय-समय पर हाइड्रेट न किया जाए, तो चक्कर आना, थकावट और डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। गर्मियों में सही खान-पान और पर्याप्त पानी पीना न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है, बल्कि ऊर्जावान भी बनाए रखता है। गर्मियों में थोड़ी-सी सावधानी और कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप न सिर्फ खुद को हाइड्रेटेड रख सकती हैं, बल्कि लू और थकान जैसी समस्याओं से भी बच सकती हैं।

पर्याप्त पानी पिएं: गर्मी में रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना जरूरी है। अगर पसीना ज्यादा आता है, तो मात्रा और बढ़ा दें। ठंडा पानी नहीं, बल्कि सामान्य तापमान या हल्का ठंडा पानी पीना ज्यादा फायदेमंद होता है। अगर सादा पानी पीने का मन न हो, तो उसमें नीबू, पुदीना, खीरा या तुलसी डालकर फ्लेवर्ड वाटर बनाएं। घर से निकलते समय एक गिलास पानी जरूर पीएं और पानी की बोतल साथ रखें।

हाइड्रेटिंग फ्रूट्स: तरबूज, खीरा, संतरा, अंगूर जैसे फलों में पानी भरपूर होता है। लौकी, तोरई जैसी सब्जियां और नारियल पानी शरीर को ठंडक और इलेक्ट्रोलाइट्स प्रदान करते हैं। गर्मी के मौसम में इनका भरपूर सेवन करें। इसके साथ ही, नीबू पानी, लस्सी, बेल शरबत, आम का पना, जलजीरा और सौंफ-गुलकंद का पानी शरीर को ठंडा और पाचन को दुरुस्त रखते हैं। लस्सी, छाछ, पुदीना-तुलसी ड्रिंक, सत्तू का शरबत, पान-गुलाब शरबत जैसे पेय शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ एनर्जी भी देते हैं। गर्मी के मौसम में कोल्ड ड्रिंक्स और कैफीन का सेवन करने से बचें।

मसालेदार खाने से करें परहेज: अपने भोजन में सलाद, दही, ताजे फल, दालें और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें। तले-भुने और मसालेदार खाने से परहेज करें। जंक और स्ट्रीट फूड का सेवन ना करें, क्योंकि यह पेट में गर्मी और एसिडिटी बढ़ा सकता है। बेहतर पाचन और शरीर में पानी की संतुलित मात्रा बनाए रखने के लिए हल्का, सुपाच्य और पौष्टिक भोजन ही लें। **(आहार विशेषज्ञ पूनम विशाल ज्वेल से बातचीत पर आधारित)**

खबर संक्षेप

छितरोली की सरपंच की सास सुधी देवी का निधन

कनीना। गांव छितरोली निवासी बलवान आर्य की माता एवं महिला सरपंच मुकेश देवी की सास 90 वर्षीय सुधी देवी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को गांव के शिवधाम में किया गया। सामाजिक और धार्मिक विचारों वाली महिला अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई। उनकी आत्मिक शांति के लिए आगामी 27 अप्रैल रविवार को गांव छितरोली में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। सूबेदार सुखबीर सिंह ने बताया कि सुबह सवा आठ बजे वैदिक यज्ञ का आयोजन होगा। इसके बाद प्रसाद वितरित किया जाएगा।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने को दे रहे ऋण

नारनौल। प्रदेश सरकार ने विधवा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए तीन लाख रुपये तक की ऋण योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत महिलाओं को व्यक्तिगत कारोबार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम की ओर से इस योजना के तहत जिन महिलाओं की वार्षिक आय तीन लाख रुपये या इससे कम है, जिनकी आयु 18 से 60 वर्ष है, वह इस स्कीम का लाभ ले सकती हैं। उन्होंने बताया कि इससे महिला उत्थान में मदद मिलेगी।

डॉ. अम्बेडकर व महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई

फुले व बाबा साहेब ने समानता और शिक्षा का अधिकार दिलाया

जन कल्याण सोसायटी हरियाणा के प्रदेश महासचिव सुरेश टांक मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में पहुंचे

नारनौल। गांव बास किरारोद में जयंती मनाते अंबेडकरवादी। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

बास किरारोद उमराबाद ग्रामवासियों व डॉ भीमराव अंबेडकर युवा समिति द्वारा प्रोफेसर डॉ. अजय इन्दौरा की अध्यक्षता में डॉ. भीमराव अम्बेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती का आयोजन किया गया, जिसमें जन कल्याण सोसायटी हरियाणा के प्रदेश महासचिव मुख्य अतिथि सुरेश टांक, अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर संघर्ष समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. शिवताज सिंह ताज, पूर्व डीजीएम महेंद्र खन्ना, प्रमुख समाजसेवी शिवनारायण मोरवाल एवं पूर्व सरपंच व राष्ट्रपति अवार्डी रोशनी देवी रहे। मुख्य अतिथि ने विशिष्ट अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर बाबा साहेब और महात्मा ज्योतिबा फुले को पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

युवाओं के मार्गदर्शक और बहुजन समाज के प्रति सदैव समर्पित रहने वाले रिजर्व बैंक के पूर्व प्रबंधक फूल सिंह चौधरी ने समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा व सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान व चतुर्थ स्थान पाने वाले होनहार बच्चों को उचित इनाम देकर सम्मानित किया और महात्मा ज्योतिबा फुले व बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि सुरेश टांक व पूर्व डीजीएम महेंद्र खन्ना ने बताया कि रुढ़िवादी रिवाजों व व्यवस्थाओं की वजह से वंचित समाज हमेशा शोषण का शिकार रहा है और बाबा साहेब के साथ साथ बहुजन समाज के अन्य महापुरुषों ने शोषण, भेदभाव, अंधविश्वास, सती प्रथा, बाल विवाह जैसी कुरुतियों को समाप्त करने में अहम भूमिका निभाई। सर्व अजा संघर्ष समिति के महासचिव बिरदी चंद गोठवाल ने कहा महाराजा सयाजीराव गायकवाड़, शाहू महाराज और संत गाडगे बाबा बाबासाहेब के प्रशंसक थे और उन्होंने जोतिबा फुले और सावित्रीबाई के महान मिशन को बढ़ावा देने के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ शिवताज सिंह ने हीरक जयंती समारोह के अवसर पर बोलते हुए डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि "मैं गौतम बुद्ध, कबीर और महात्मा फुले का भक्त हूँ और विद्या, स्वाभिमान और चरित्र का उपासक हूँ।" पूर्व सरपंच रोशनी देवी ने महापुरुषों की जीवनी पर प्रकाश डाला। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ अजय इन्दौरा ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजक मण्डल व ग्रामवासियों का धन्यवाद किया।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर भंते प्रज्ञा सागर, चेयरमैन राजरत्न बौद्ध, प्रधान जगदीश महायच, आयोजक समिति के प्रधान अनिल महायच, महासचिव मैनपाल महायच, संजय इन्दौरा, नरेंद्र इन्दौरा, अरूण इन्दौरा, महेंद्र डेलीगेट, संदीप बबेरवाल, पूर्व चीफ मैनेजर मदनलाल डाडिया, जगराम कालिया, सुमेर सिंह गोठवाल, अमरनाथ सिरोहा, अत्तर सिंह खिंची, हरिराम सिरोहा, रणधीर सिंह पीटीआई, केला देवी, आशा पूनिया बौद्ध, रतिराम, बलबीर सिंह, अतर सिंह, कृष्णा देवी, कमला, स्वर्ण, ज्योति पंच, मीनाक्षी पंच, संतरा, बिमला, मुनेश, निहाली, मेवा, मंगली, सावित्री, सुपारी देवी व अन्य सैंकडों गणमान्य लोग

नांगल चौधरी के सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में विद्यार्थियों को सकोरे वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। विद्यार्थियों को सकोरे वितरित करती प्राचार्या वंदना यादव। *फोटो : हरिभूमि*

सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्या वंदना यादव ने विद्यार्थियों को 250 सकोरे वितरित करके उन्हें घरों की छत तथा पेड़ों पर पानी के प्रबंध की हिदायत दी। जिससे बेजुबान पक्षियों को भीषण गर्मी में पीने के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। इसके अलावा संस्था के एमडी अमित यादव ने प्रकृति की सुंदरता व सुरक्षा में पक्षियों की उपयोगिता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में पक्षियों का बड़ा योगदान होता है। पक्षी ऐसे किटाणुओं को खाते हैं, जिनमें हमारी फसल और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान होता है। पक्षियों की चहक से प्रकृति की सुंदरता बढ़ती है तथा मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है, लेकिन अब गर्मी का मौसम शुरू होते ही पेयजल की आवश्यकता बढ़ गई। अपनी निजी आपूर्ति के लिए मानव इधर उधर से प्रबंध कर लेता है, लेकिन पक्षियों के लिए कोई विकल्प नहीं। भूजलस्रोत सूखने के कारण खेतों के होदों में भी पानी उपलब्ध नहीं और घरों में अंदर ही नलकूप लग गए हैं। ऐसे में बेजुबान पक्षियों के लिए पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। समाधान के लिए विद्यार्थियों को पक्षियों की सेवा को दैनिक दिनचर्या में शामिल करें।

बीआर स्कूल में ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. राममोहन वशिष्ठ। *फोटो : हरिभूमि*

बीआर स्कूल सेहलंग में साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन गुरुग्राम द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान ओलंपियाड परीक्षा में अत्यंत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रतिदिन की प्रार्थना सभा के दौरान आयोजित किया गया, जिसमें बीआर ग्रुप के चेयरमैन हरीश भारद्वाज, प्राचार्य डॉ. राममोहन वशिष्ठ तथा उपप्राचार्या ज्योति भारद्वाज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। सामाजिक विज्ञान ओलंपियाड परीक्षा में विद्यालय के छह छात्रों ने स्वर्ण पदक अर्जित किए। विशेष रूप से दो छात्र पारिधि वशिष्ठ पुत्री डॉ. राम मोहन वशिष्ठ और नीरज कुमार पुत्र वेद प्रकाश ने अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया।

प्राचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ ने कहा कि जब बच्चों को सीखने के लिए आनंददायक वातावरण, सहयोगी शिक्षक और डरमुक्त वातावरण मिलता है, तो वे हर विषय को गहराई से समझते हैं और स्थायी रूप से सीखते हैं। चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना जितना सरल दिखता है, वास्तव में उतना है नहीं। इसके लिए जमीनी स्तर पर बदलाव की आवश्यकता होती है, जिसमें शिक्षकों की निष्ठा, स्कूल प्रबंधन की दूरदृष्टि और अभिभावकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

छात्राओं को टीबी उन्मूलन के प्रति किया जागरूक

कनीना। महिला महाविद्यालय में आयोजित शिविर में नपा चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

कनीना। कनीना ककराला मार्ग स्थित गणेशी लाल महिला महाविद्यालय में सोमवार को जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से टीबी मुक्त अभियान के तहत शिविर का आयोजन कर छात्राओं को जागरूक किया गया। जिसका शुभारंभ नगर पालिका की चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी ने किया। टीबी के ब्लॉक के कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार ने बताया कि उपायुक्त डा. विवेक भारती के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें सचिव बलवान सिंह व शोभा शर्मा शामिल हैं। टीबी अभियान के पर्यवेक्षक पवन कुमार ने बताया कि जन भागीदारी से इस अभियान को सफल बनाया जा रहा।

नारनौल। विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के बारे में जागरूक करते हुए।

विद्यार्थियों को किया साइबर क्राइम पर जागरूक

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ताजपुर में विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से नियुक्त नोडल अधिकारी प्रवक्ता माया यादव ने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम विषय पर जागरूक किया। प्राचार्य सत्यबीर सिंह ने कहा कि आज का युग तकनीक और इंटरनेट का युग है। मोबाइल, कम्प्यूटर व इंटरनेट ने जीवन को बहुत आसान बना दिया, लेकिन जहां सुविधा होती है, वहां खतरे भी होते हैं। प्रवक्ता कुसुम यादव ने विद्यार्थियों को इसके दुष्परिणामों के बारे में अवगत कराया। भारत विकास परिषद शाखा अध्यक्ष कवीन्द्र सचदेवा ने कहा कि अपने पासवर्ड किसी से भी साझा न करें, अनजान लिंक पर क्लिक न करें, 1930 पर साइबर क्राइम की शिकायत करने से न डरें। इस मौके पर प्रवक्ता प्रदीप, मीनाक्षी, अन्जू, प्रियंका, कुसुम यादव, माया आदि मौजूद थे।

देवयानी इंटरनेशनल स्कूल में प्रशिक्षण शिविर आयोजित

■ अध्यापकों को एनसीएफ गाइडलाइन के तहत ट्रेनिंग दी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बच्चों को प्रशिक्षण देते हुए।

सीबीएसई की तरफ से आयोजित प्रशिक्षण प्रोग्राम में सभी अध्यापकों को एनसीएफ गाइडलाइन के तहत ट्रेनिंग दी गई। शिक्षण में स्कूल के सभी अध्यापकों को लगातार आठ घंटे की ट्रेनिंग दी गई। जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। एनसीईआरटी के अनुरूप राष्ट्रीय पाठ्य चर्चा ढांचा को सही दिशा देने के लिए इस प्रकार की प्रशिक्षण का बड़ा महत्व है। ट्रेनर ने समग्र विकास को बढ़ावा देना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ बनाना, संतुलित शिक्षण वातावरण बनाना, शिक्षा के बोझ को कम करने, रटने की आदत को कम करने, बच्चों को एक्टिविटी के आधार पर शिक्षा देने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। प्राचार्य बलवान सिंह ने बताया कि एक अध्यापक का समाज निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। बच्चों की पढ़ाई के लिए राष्ट्रीय निर्माण में की गई योजना को सफल बनाने में इस प्रकार का प्रशिक्षण जरूरी होता है।

न्यूज डायरी

पंचायत समिति की बैठक में विकास कार्यों पर मंथन

कनीना। पंचायत समिति सदस्यों की एक महत्सवपूर्ण बैठक सोमवार को पंचायत समिति के मीटिंग हॉल में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता पंचायत समिति चेयरमैन जयप्रकाश यादव ने की। बैठक की कार्रवाई पंचायत समिति के कार्यकारी अधिकारी नवदीप ने इंद्राज की। इस बैठक में पंचायत समिति की 154 दुकानों को लेकर सभी सदस्यों को जानकारी दी गई। इस सम्बंध में विभिन्न अदालतों में विचारारधीन केसों की सुनवाई से अवगत कराया गया। 2019 के बाद दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए थे। हाईकोर्ट ने वर्ष 2024 में एक फैसला सुनाते हुए सक्षम अधिकारी की ओर से दुकानें रखने तोड़ने को लेकर निर्णय लेने के बारे में कहा गया था। उस निर्णय के बारे में सदस्यों को जानकारी दी गई।

नशा जीवन को ले जाता है अंधकार की ओर : शर्मा

नारनौल। नशा नाश की जड़ है। नशा ही है, जो व्यक्ति के जीवन को अंधकार की ओर लेकर जाता है। उक्त विचार जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने सेवा विभाग की ओर से रेडक्रॉस कार्यालय में कोर्स कर रहे छात्रों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नशा पहले शौक के तौर पर शुरू किया जाता है और बाद में यह बुरी आदत बन जाता है। युवाओं को चाहिए कि वो अपने जीवन को सफल बनाने के लिए मेहनत के रास्ते को अपनाए। अमित शर्मा ने कहा कि आज जो हमारे समाज में अपराध हो रहे है, उनमें मुख्य भूमिका नशे की ही मिलती है। उन्होंने कहा कि माता पिता को चाहिए कि किशोरावस्था में वो बच्चों का विशेष ध्यान रखे कि बच्चा कहीं बुरी संगति में तो नहीं पड़ गया है।

यदुवंशी कॉलेज में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस मनाया

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने मंच से जानकारी देते हुए बताया कि इस दिन को भारत की स्टील फ्रेम भी कहा जाता है। प्राचार्य बजरंग लाल ने कहा कि यह दिन 1947 में सरदार वल्लभ भाई पटेल की ओर से भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रथम बैच को दिए गए ऐतिहासिक संबोधन की याद में मनाया जाता है। उप प्राचार्या सोनल यादव ने कहा कि पहला आधिकारिक समारोह विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित किया गया और यह दिन सेवकों के बीच पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्यनिष्ठा के मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए भी एक मंच के रूप में कार्य करता है। संस्था डायरेक्टर सुरेश यादव ने बताया कि सिविल सेवकों के समर्पण, ईमानदारी और निरंतर सेवा को यह दिन उजागर करता है।

मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली में कक्षा तत्परता कार्यक्रम आयोजित

■ एबीआरसी, बीआरपी को प्रशिक्षण दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली में कक्षा तत्परता कार्यक्रम प्रशिक्षण में भाग लेते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

खंड अटेली के मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली में कक्षा तत्परता कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्राथमिक विद्यालय प्रमुख और सभी एबीआरसी, बीआरपी को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने की। मुख्य प्रशिक्षक जतिन कुमार ने कक्षा तत्परता कार्यक्रम की बारीकियां को साझा किया और पीपीटी के माध्यम से विभिन्न आयामों को अध्यापक साथियों के सामने रखा। कक्षा तत्परता कार्यक्रम के तीन मॉड्यूल्स के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अध्यापकों ने रुचि पूर्ण तरीके से प्रशिक्षण में सहभागिता निभाई। जिला समन्वयक डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि पिछली कक्षा की दक्षताओं को आधार बनाकर कक्षा तत्परता कार्यक्रम की रचना की गई है। यदि बच्चा पिछली कक्षा की दक्षताओं को प्राप्त कर लेता है तो उसे अगली कक्षा में सीखने में सहजता महसूस होती है। कक्षा तत्परता कार्यक्रम में न केवल बच्चों को सीखने के बेहतर अवसर प्रदान करता है, बल्कि उल्लास, आत्मविश्वास और खेल-खेल में शिक्षा के अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम 25 मई तक चलाया जाना है।

मेडिकल कॉलेज का नाम पूर्व सीएम के नाम पर रखा जाए

नारनौल। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चंद्रप्रकाश गुर्जर एडवोकेट ने गांव कोरियावास में बने मेडिकल कॉलेज का नाम पूर्व मुख्यमंत्री राव बिरेंद्र सिंह के नाम से रखे जाने की मांग की है। इनके साथ ही वरिष्ठ नेता राव होशियार सिंह एवं भानी सहाय एडवोकेट तलोट ने चंद्रप्रकाश एडवोकेट की बात का समर्थन करते हुए यही मांग दोहराई है। उन्होंने बताया कि इस समूचे इलाके में राव बिरेंद्र सिंह की विशिष्ट पहचान रही है तथा उनके प्रभाव एवं लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एकबार देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी उनसे सहयोग मांगने के लिए साधारण चप्पलों में रेवाड़ी स्थित रामपुरा हाउस पहुंची थी।

नारनौल। नागरिकों की समस्याएं सुनते एडीसी डा. आनंद कुमार शर्मा।

एडीसी ने जनसंवाद में सुनी नागरिकों की समस्याएं

नारनौल। अतिरिक्त उपायुक्त आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार की जन समाधान शिविर लगाने की अनूठी पहल से नागरिकों को अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान कराने का अच्छा मौका मिल रहा है। एडीसी सोमवार को लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुन रहे थे। इस मौके पर कुल 65 शिकायतें प्राप्त हुई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थी। एडीसी ने कहा कि यह समाधान शिविर प्रत्येक सोमवार तथा वीरवार को सभी उपमंडल तथा जिला स्तर पर लगाए जा रहे हैं। कोई भी नागरिक इन समाधान शिविरों में अपनी समस्याएं रख सकता है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर नागरिकों व प्रशासन के बीच एक पुल का काम कर रहे हैं। लोग लगातार बेझिझक अपनी समस्याओं को इस प्लेटफार्म पर रख रहे हैं। प्रत्येक समस्या का पूरी गंभीरता के साथ जिला के अधिकारी निदान करते हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शुक्रवार को समीक्षा बैठक भी की जाती है। जिसमें हर सप्ताह मिली शिकायतों के निपटान के बारे में जानकारी ली जाती है। इस बैठक में नगराधीश मंजीत कुमार व डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

शहर की अग्रणी संस्था नेकी की दीवार की पहल

नीड़ी हेल्प ग्रुप ने किया बेटी की शादी में सहयोग

■ कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। शादी में दिए जाने वाले सामान के साथ ग्रुप सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

शहर की अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप की मुहिम गरीब सुकन्या विवाह के अंतर्गत मोहल्ला निवासी जरूरतमंद की दो बेटियो का कन्यादान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया ने की। मुख्य अतिथि समाजसेवी शिवकुमार मित्तल थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने संस्था की प्रसंशा करते हुए बताया कि आज के इस दौर में जहां अपने लिए समय नहीं होता, वही संस्था के सभी साथियों की ओर से नेक कार्य किय जा रहे है। जिसके लिए सभी बधाई के पात्र है।

विशेष आमंत्रित अतिथि शंकरलाल गोयल व कार्यकम संयोजक सुनील गोयल, मनीष गर्ग ने कहा कि आज एक बार फिर से संस्था के सभी भाइयों ने अपना फर्ज निभाते हुए बहन की शादी अच्छे से हो सके इसके लिए, उसको घरेलू यूज में आने वाली मिक्सी, बर्तन सेट, अटैची, ट्रे सेट, थर्मस, प्रेस, लहंगा चोली, बॉटल, सूट साड़ियां, हॉट केस, पंखा, डबल बेड की चद्दर, लेडीज पर्स, सीनरी, पेंट शर्ट, कप सेट, फैंसी फ्रॉक सूट, दो जोड़ी फैंसी स्लीपर व 501 रुपये कन्यादान स्वरूप भेंट किए। संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया ने बताया कि 27 अप्रैल को सचिव संदीप जैन की शादी की 13वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में नागरिक अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर मनीष गोगिया, शिवकुमार मित्तल, शंकरलाल गोयल, हिमांशु संघी, सुनील गोयल, प्रदीप एडीओ, मनीष गर्ग, विपिन गोयल, संदीप जैन, राकेश यादव आदि मौजूद थे।

संस्कार भारती में विदाई समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

संस्कार भारती महिला महाविद्यालय के सभागार में विदाई समारोह और प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया। समारोह की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष सुदेश यादव ने कहा की महिला शिक्षा वास्तव में समाज के लिए महत्वपूर्ण है। यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हो तो आपने एक पुरुष ही शिक्षित किया, जबकि आप एक नारी को शिक्षित करते हो तो आप पूरी की पूरी पीढ़ी को शिक्षित करने का कार्य करते हो। महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक ने कहा कि भारत अपनी संस्कृति और शिक्षा के कारण विश्व गुरु रहा हैं। हमें अपने सांस्कृतिक श्रेष्ठता पर गर्व करना चाहिए तथा इसे फिर से विश्व वंदनीय बनाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका प्राचार्या ज्योति यादव ने निभाई। प्रतियोगिता में स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा पूनम मिस फेयरवेल, मनीता मिस ब्यूटी व हेमलता मिस गेमर रही। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के शिक्षण, गैर शिक्षण सदस्य व सभी बच्चे मौजूद थे।

सार्वजनिक सूचना

मैं निधि यादव पत्नी विजयपाल सिंह वासी गांव दोंगडा अहीर तहसील कनीना जिला महेंद्रगढ़ बयां करती हूं कि मेरी पुत्री आकांक्षा की सीबीएसई दसवीं की मार्कशीट में मेरा नाम गलती से निधि दर्ज हो गया जबकि मेरा सही नाम निधि यादव है। नियम अनुसार ठीक करने का कष्ट करें।

खबर संक्षेप

नारनौल। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मौजूद एडीसी डा. आनंद कुमार शर्मा।

एसीएस ने सीएम विंडो को लेकर की वीसी

नारनौल। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डा. साकेत कुमार ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीएम विंडो तथा एसएमजीटी की समीक्षा बैठक की। जिला महेंद्रगढ़ की ओर से अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने जिले की प्रगति रिपोर्ट पेश की। इसके बाद एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सीएम विंडो तथा एसएमजीटी सरकार की ओर से शुरू किया गया ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिस पर कोई भी नागरिक बड़ी आसानी से अपनी समस्या रख सकता है। सरकार व जिला प्रशासन का मकसद है कि नागरिकों की हर समस्या निश्चित अवधि में निपटाई जाए। ऐसे में अधिकारियों का कर्तव्य बनता है कि वे निर्धारित समय पर इन समस्याओं का निराकरण करें।

फसल कटाई व गर्मी के मौसम में प्रशासन अलर्ट

नारनौल। फसल कटाई व गर्मी के मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। फायर ब्रिगेड सहित तमाम प्रकार की तैयारी के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डा. विवेक भारती ने आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा की ओर से जारी निर्देशों का हवाला देते हुए बताया कि जिले में गर्मी और कटाई के इस मौसम में आग लगने की घटनाएं बढ़ गई हैं, जिससे सावधानी बरतना आवश्यक है। डॉ. भारती ने बताया कि सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि अग्निशमन वाहनों, उपकरणों व स्टाफ की 24 घंटें सातों दिन तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। प्रत्येक फायर स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की तैनाती हो।

किसानों को 50 हजार प्रति एकड़ मिले मुआवजा

नारनौल। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला सचिव डा. व्रतपाल सिंह कहा कि प्रदेश के बहुत से गांवों व जिला मे गेहूं की खड़ी फसल तथा फाने आग लगने से जलकर राख हो रहें हैं। किसानों ने मेहनत कर जिस गेहूं की फसल को खुशी खुशी घर में लाने का सपना संजोया था, वह सपना एक पल में स्वाहा हो गया। किसानों की इस बर्बादी पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए खड़ी फसल जलने का 50000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की सरकार से मांग की। हर वर्ष प्रदेश में सैकड़ों एकड़ फसल बिजली के तारों से निकली चिंगारियों से जल कर राख हो जाती हैं। बीमा कम्पनियां भी आग से बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा नहीं देती। किसानों की सालभर की कमाई सेकंडों में नष्ट हो जाती है।

ऑनलाइन 25 मई तक अंक अपलोड करें स्कूल

नारनौल। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से सम्बद्धता सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूल शैक्षिक सत्र 2024-25 के लिए कक्षा नौंवीं व 11वीं के छात्र/छात्राओं के अंक 25 मई तक ऑनलाइन अपलोड किए जाने हैं। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) पवन कुमार ने सभी स्कूल मुखियाओं को निर्देश देते हुए कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से सम्बद्धता प्राप्त सभी राजकीय/अराजकीय विद्यालय/गुरूकुल/विद्यापीठ शैक्षिक सत्र 2024-25 के लिए कक्षा नौंवीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षा के अंक 25 अप्रैल से 25 मई, 2025 तक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाईट www.bseh.org.in पर दिए गए लिंक पर आईडी/पासवर्ड से लॉगिन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे बताया कि यदि किसी विद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि में छात्र/छात्राओं के अंक अपलोड नहीं किए तो ऐसे छात्र/छात्राओं को बोर्ड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की आगामी वार्षिक परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

विश्व पृथ्वी दिवस पर दिया संदेश

पृथ्वी मां बचाने को जल, जंगल, जमीन व जीव का करें सदैव संरक्षण

- अपने विकास के लिए पृथ्वी का दोहन करता आ रहा है मानव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

डा. चन्द्र मोहन।

हर साल 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। पृथ्वी दिवस मनाने का मकसद पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन की तरफ सभी का ध्यान खींचना और यह कोशिश करना है कि सभी पृथ्वी को खुशहाल बनाए रखने में अपना अपना योगदान दे। मानव की ओर से अभी तक की खोज और शोध के अनुसार जीवन केवल पृथ्वी पर ही है। मानव का जब से उद्भव व विकास हुआ है, वह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप पृथ्वी मां से सभी जरूरत की वस्तुएं प्राप्त करता है। पृथ्वी हमें जीवन के सभी पहलुओं जल स्थल व वायु को प्रदान करती है, साथ ही हमारी सभी मू ल भू त आवश्यकताओं व सुविधाओं को पूरा करतीं हैं। जैसे जैसे जनसंख्या में वृद्धि हुई वैसे वैसे अपनी जरूरतों को पूरा करने हेतु मानव ने अमानवीय व्यवहार व कृत्यों से पृथ्वी को विकास के नाम पर छेड़छाड़ करने से धीरे धीरे कृषि, उद्योग, खनन, ऊर्जा, परिवहन, नगरीकरण, वनों की अति कटाई के नाम पर पृथ्वी व प्रकृति से खिलवाड़ और छेड़छाड़ से पृथ्वी तथा प्रकृति के स्वरूप को बिगाड़ दिया है। जिसकी वजह से सम्पूर्ण विश्व में ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीनहाउस प्रभाव, ओजोन परत का क्षय, विश्वव्यापी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, मरूस्थलिकरण, मौसम की चरम परिस्थितियां, क्रोनिक बीमारियों का विस्तार जैसे वैश्विक मूद्दे बने हुए हैं। यह जानकारी नोडल अधिकारी पर्यावरण क्लब राजकीय महाविद्यालय प्रोफेसर डा. चन्द्र मोहन ने एक विशेष वार्ता में दी।

उन्होंने बताया कि विश्व के विद्वानों में लगातार मंथन के विषय बने हुए हैं। मानव को अपने आस्तित्व के लिए सोचने को मजबूर कर दिया है। पृथ्वी को हरा भरा बनाए रखने के लिए हम सभी को अपनी तरफ से योगदान देना चाहिए। पर्यावरण को सुरक्षित रखकर ही आने वाली पीढ़ियों को खुशहाल जीवन दिया जा सकता है। प्रोफेसर डा. चंद्र मोहन ने बताया कि हमें पृथ्वी मां को बचाने हेतु तन मन धन से सभी प्रयास करने चाहिए और इस वसुंधरा को सुन्दर बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। हमें इस पृथ्वी मां को बचाने हेतु जल जंगल और जमीन व जीव का हमेशा संरक्षण करना चाहिए और इन्हें बचाने हेतु सदा प्रयत्नशील रहना चाहिए।

अगर बात करें जिला महेंद्रगढ़ में लगातार खनन, वनों की कटाई, परिवहन के साधनों में लगातार वृद्धि, अनियंत्रित यातायात के साधन, बड़े पैमाने पर विकास, सड़कों का निर्माण, कृषि फसलों पर किटनाशक दवाओं व उर्वरक का प्रयोग, नगरीकरण, मलिन वस्तियों का फैलाव, अरावली पहाड़ियों में खनन, ऊर्जा के साधनों का अत्यधिक प्रयोग, उद्योग धंधे, ईंट भट्ठे, प्रदूषण इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

साल 2025 के लिए चुनी गई थीम

प्रोफेसर डा. चन्द्र मोहन ने बताया कि मनुष्य अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए हर तरह से पृथ्वी को नुकसान पहुंचा रहा है। इससे ग्लोबल वॉर्मिंग, क्लाइमेट चेंज और कई जगह बाढ़, सुखा, हीट वेव, कोल्ड वेव, पर्यावरण प्रदूषण, वायु गुणवत्ता सूचकांक में गिरावट जैसे हालात देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में लोगों को इसके प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी हो गया है। हर साल अर्थ डे मनाने के लिए थीम चुनी जाती है। इस साल 2025 में यह थीम अवर पावर अवर अर्थ, हमारी शक्ति हमारी पृथ्वी है। इसके जरिए क्षय होने वाले ऊर्जा स्त्रोतों को भविष्य में दोबारा इस्तेमाल करने लायक बनाने के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष हम अपनी शक्ति अपने लोगों और अपने ग्रह के लिए अक्षय ऊर्जा पर प्रकाश डालेंगे। जिससे इस पृथ्वी पर मानव व प्रकृति का आस्तित्व बना रहे।

पृथ्वी दिवस मनाने की वजह

प्रोफेसर डा. चन्द्र मोहन ने बताया कि वर्ष 1969 में यूनेस्को सम्मेलन में पहली बार शांति कार्यकर्ता जॉन मैककोनेल ने पृथ्वी दिवस को मनाने का प्रस्ताव रखा था। पहले इस दिन को सेलिब्रेट करने का मकसद अर्थ को सम्मान देना था। सबसे पहली बार 22 अप्रैल 1970 को संयुक्त राज्य अमेरिका में पृथ्वी दिवस मनाया गया। इसके बाद डेनिस हेस ने 1990 में विश्व स्तर पर इसे मनाए जाने का प्रस्ताव रखा। इसमें 141 देशों ने भागीदारी की। 2016 में पृथ्वी दिवस को जलवायु संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया गया।

मसानी चौक से कॉलेज रोड तक सड़क मार्ग का निर्माण कार्य शुरू

20 साल पहले बनी थी सड़क, अब गड्ढों की भरमार, वाहन चालक परेशान

- शहर के मोहल्ला मसानी से राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल तक सड़क हो चुकी है पूरी तरह से जर्जर, मुख्य बाजार होने के कारण दिनभर लगा रहता है लोगों का आवागमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नारियल फोड़कर निर्माण कार्य शुरू करवाते विधायक कंवर सिंह यादव व जर्जर सड़क को उखाड़ती जेसीबी मशीन। फोटो : हरिभूमि

पिछले 20 वर्षों से बदहाल मसानी चौक से कॉलेज रोड तक सड़क मार्ग का सोमवार को निर्माण कार्य शुरू हो गया है। विधायक कंवर सिंह यादव, एसडीएम अनिल कुमार व नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी ने नारियल फोड़कर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। 2.85 करोड़ की लागत से मसानी चौक से कॉलेज रोड तक करीब दो किलोमीटर मार्ग बदहाल है। निर्माण कार्य शुरू होने पर लोगों ने लड्डू बांटकर खुशी मनाई। सड़क निर्माण से नपा इस मार्ग पर दुकानदारों द्वारा किए गए पर्क्क अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई करेंगी। शहर के 11 हट्टा बाजार की सड़क की हालात खस्ता होने के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है।

बता दें कि इस मार्ग को पुराने नारनौल रोड के नाम से जाना जाता है। इस मार्ग पर शहर के मुख्य बाजार भी लगता है। इसके अलावा नारनौल से रेवाड़ी की जाने का भी सबसे छोटा रास्ता है। इस मार्ग पर मसानी चौक, पाठशाला रोड, परशुराम चौक, बास मौहल्ला, सैनीपुरा, गुर्जरों की ढ़ाणी में हजारों की संख्या में लोग रहते हैं। टूटी सड़क के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस मार्ग पर पांच-छह फीट की दूरी पर गहरे गड्ढे बने हुए हैं। यह मार्ग दो महाविद्यालय, मॉडल संस्कृति स्कूल, 148-बी से जोड़ता है। इसके अलावा यह मार्ग 50 से अधिक गांवों को शहर से जोड़ता है। दिनभर इस मार्ग से हजारों की संख्या में वाहन गुजरते हैं। टूटी सड़क के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस मार्ग पर 500 से अधिक दुकान हैं, जिसके कारण आमजन, दुकानदारों व राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के लोगों की मानें तो करीब 20 वर्ष पहले इस मार्ग पर सड़क का निर्माण हुआ था। इसके बाद नगर पालिका ने इस मार्ग की कभी सुध नहीं ली। सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोगों को काफी फायदा मिलेगा।

2.85 करोड़ की आएगी लागत

नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि 11 हट्टा बाजार की सड़क का हाइप जिम के पाससे निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। सड़क का निर्माण कार्य में करीब 2.85 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद शहर के लोगों को काफी फायदा मिलेगा। उसकी दुकानदारों से अपील है कि इस मार्ग पर दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को स्वयं हटा लें। अतिक्रमण हटने के बाद इस बाजार में आने वाले ग्राहकों को काफी सहुलियत होगी।

योजनाबद्ध तरीके से जल्द पूरा होगा काम

विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि इस मार्ग का निर्माण जल्द पूरा किया जाएगा। शहर में विकास को लेकर योजनाबद्ध तरीके से काम किए जा रहा है। शहर में विकास कार्यों को लेकर पैसे की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा महेंद्रगढ़ शहर में अनेक विकास कार्य करवाए जाएंगे। जिससे लोगों को अधिक से अधिक सुविधा मिल सकें।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एसडीएम अनिल कुमार यादव, पार्षद देवेंद्र उर्फ सोनू, पार्षद विष्णु वाल्मीकि, पार्षद हरिराम खन्ना, सरिता राठी, अशोक सैनी, सुरेंद्र फौजी व आशी सोनी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

नारनौल। रक्तदाताओं को बैज लगाते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

रेडक्रॉस कार्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- शिविर में 25 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस समिति प्रधान डा. विवेक भारती के मार्गदर्शन में रेडक्रॉस कार्यालय में सामाजिक संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप के तत्वावधान में धीरज टाटा मोटर्स क्रॉप के प्रथम वर्ष गांठ के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में 25 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। धीरज टाटा मोटर्स क्रॉप के मालिक एवं डायरेक्टर महेंद्र छाबड़ा ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया सभी स्वस्थ युवा को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान करने से मनुष्य में किसी भी प्रकार से कोई कमजोरी या दिक्कत नहीं आती है, बल्कि हार्ट अटैक जैसी बीमारी आने का भी खतरा कम हो जाता है।

मनीष गोगिया ने बताया कि 27 अप्रैल को संस्था की ओर से 24वां विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन नागरिक अस्पताल ब्लड बैंक में किया जाएगा।

रेडक्रॉस से डा. एसपी सिंह ने बताया कि रेडक्रॉस की ओर से जिले में समय समय पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता रहता है। इसमें कोई भी व्यक्ति आकर रक्तदान कर सकता है। उन्होंने बताया कि अप्रैल माह में अब तक छह स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा चुका है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर डा. धीरज छाबड़ा, डा. आंचल छाबड़ा, मंजीत सिंह, विकास शर्मा, मनप्रीत सिंह, मुकुल, मन्नू काद्यान, प्रवेश जांगिड़, सुरभी, सुनील यादव, रविन्द्र, विक्रम, रेडक्रॉस सोसायटी से अजीत यादव, सुनील कुमार आदि मौजूद थे।

बाल विवाह के खिलाफ चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

- हुडिना में कैंडल मार्च निकालकर किया ग्रामीणों को बाल विवाह न करने के लिए जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। हुडीना में बाल विवाह के खिलाफ कैंडल मार्च निकालते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

जिले में बाल विवाह के खिलाफ लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में गांव हुडीना में ग्रामीणों ने कैंडल मार्च निकालकर लोगों को जागरूक किया। जिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों की शादी निर्धारित आयु होने के बाद ही करें। बाल विवाह एक गंभीर समस्या है। जिससे निपटने के लिए हमें सभी को मिलकर काम करना होगा। बाल विवाह न करवाने की शपथ ली।

अक्षय तृतीया पर विशेष अपील

अक्षय तृतीया के अवसर पर जिले के सभी पंडितों से अपील की गई है कि वे शादी से संबंधित जब भी कोई कार्यक्रम करवाएं तो बच्चों की उम्र जरूर देखें। इसी प्रकार टेंट तथा बैंड बाजे वाले व्यवसायियों से भी निवेदन किया गया है कि वे ऐसे किसी कार्यक्रम में हिस्सा न बनें, जहां पर नाबालिगों की शादी होती हो। सरिता शर्मा ने कहा कि सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

गर्मी में पेयजल संकट से लोग परेशान

नारनौल। गर्मी के शुरू होते पानी का संकट विकराल रूप धारण कर रहा है। मोहल्ला गुरुनानकपुरा सिंह सभा गुरुद्वारा के पास पानी पहले एक दिन छोड़ कर पानी आ रहा था, लेकिन अब तीन से चार दिन बाद पानी आ रहा है और वो भी बहुत कम तथा कोई समय भी निश्चित नहीं है। मोहल्ला वासी पानी के लिए टैंकर मंगवाने के लिए मजबूर है। पानी की टंकी पर कार्यरत कर्मचारी ने बताया कि गुरुद्वारे के पास शायद पानी का वाल्व काम नहीं कर रहा है, इसलिए कम पानी नहीं आ रहा है। पेयजल संकट से परेशान लोगों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि मोहल्ला गुरुनानकपुरा वासियों के लिए पानी सप्लाई करवाने के लिए वाल्व ठीक करवाया जाए, ताकि भीषण गर्मी में पानी की किल्लत का सामना न करना पड़े। इस बारे में सचिव सिंह सभा सुरजीत सिंह अरोड़ा ने कहा कि वार्ड पार्षद नितिन चौधरी से इस ओर ध्यान दें।

एमपीएचडब्ल्यू एसोसिएशन ने सीएमओ को सौंपा मांगों का ज्ञापन

- कर्मचारियों के एसीपी केस पड़े हैं लंबित, कर्मचारियों ने नवनियुक्त सीएमओ को बधाई भी दी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सीएमओ डॉ. अशोक कुमार को ज्ञापन सौंपता शिष्टमंडल। फोटो : हरिभूमि

जिलेभर के बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों की मांगों के समाधान को लेकर एसोसिएशन का शिष्टमंडल सोमवार को सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार से जिला प्रधान धर्मवीर यादव के नेतृत्व में मिला। नवनियुक्त सिविल सर्जन को बधाई दी। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर सिविल सर्जन से बातचीत की।

प्रधान धर्मवीर यादव, जिला सचिव दर्शाना कुमारी ने बताया कि जिले के बहुउद्देशी स्वास्थ्य कर्मचारी के बहुत से एसीपी केस लम्बित है, उनको जल्द भिजवाने का कार्य करे। जब तक टैब व इंटरनेट की व्यवस्था न हो, तब तक कर्मचारियों पर ऑनलाइन काम का दबाव न बनाया जाए। जिले में जहां एमसीटीएसअलाउंस नहीं मिल रहा, उन कर्मचारियों को एमसीटीएस अलाउंस दिया जाए। जिले के कर्मचारी 26 अप्रैल को राज्य स्तरीय सम्मेलन में बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। इस मौके पर सहसचिव सुमित्रा कुमारी, उपप्रधान विजय जोरासी, खजांची राकेश कुमार, मुकेश यादव, नवनीत, भूपेंद्र, राजवीर, महेश, अजय आदि मौजूद रहे।

रेडक्रॉस सोसायटी के नवनियुक्त सचिव महेश जोशी का अभिनंदन

पूरी निष्ठा से निभाऊंगा जिम्मेदारी: महेश जोशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

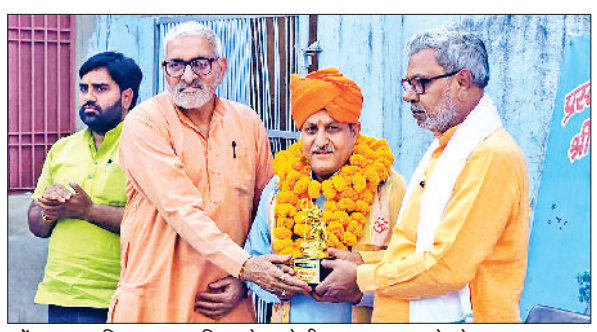

महेंद्रगढ़। नवनियुक्त महासचिव महेश जोशी का सम्मान करते लोग।

शहर निवासी महेश जोशी को हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी का सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी इस उपलब्धि पर नगर के प्राचीनतम मंदिर मोदाश्रम में नगर के गणमान्य लोगों द्वारा उनका नागरिक अभिनंदन किया गया। यह जिम्मेदारी मिलने के बाद पहली बार जब जोशी नगर में पहुंचे तो सर्वप्रथम अपने आराध्य देव भोले शंकर का आशीर्वाद लेने मोदाश्रम मंदिर पहुंचे। सर्व समाज के लोगों ने उनका स्वागत अभिनंदन किया। सर्वप्रथम मोदाश्रम के प्रधान सुधीर दीवान ने नगर की ओर से पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया। इस दौरान समस्त जोशी परिवार द्वारा भी महेश जोशी को पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। इसके बाद सभी समाज के लोगों ने सम्मान किया। सुधीर दीवान और अमित मिश्रा ने कहा कि महेश जोशी का जीवन सदैव समाज को समर्पित रहा है। एबीवीपी व आरएसएस के निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप ने महेश जोशी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई। महेश जोशी ने कहा कि मुझे संगठन ने यह जिम्मेदारी गरीब और असहाय लोगों की सेवा करने के लिए दी है। इस जिम्मेदारी को बहुत मेहनत, कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाने का प्रयास करूंगा। संगठन ने जो मुझ पर विश्वास जताया है उस पर खरा उतरने का प्रयास रहेंगा।

ये लोग रहे मौजूद

इस अवसर पर एबीवीपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शास्त्री, पूर्व प्रदेश मंत्री विक्रम कोका, सुरेश वर्मा, सुनील यादव, कृष्ण चेयरमैन, ओमप्रकाश टांक, रविदत्त तिवारी, सुरेश शर्मा, राजेश सैनी पार्षद, राजेश दीवान, सूर्यप्रकाश कौशिक, मोतीलाल अरोड़ा, महावीर भंडोरिया, अशोक मांढिया, ईश्वर सोनी, मुरारीलाल, राजीव जेरपुरिया, कुलदीप शर्मा, नरेश जोशी, मास्टर अशोक यादव, पवन भारद्वाज, जितेंद्र शर्मा, भूषण जोशी, प्रवीण जोशी, अनिल तिवारी, जुगल सैनी, लक्ष्मीनारायण सैनी व नरेंद्र जोशी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

रोडवेज बस के शीशे तोड़े, एक काबू

- हिसार से जयपुर जाते हुए कोटपुतली रोड पर पैट्रोल पंप के पास की घटना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी अस्थाई बस अड्डे से जयपुर के लिए सवारी लेकर चली हिसार डिपो की जयपुर चलने वाली हरियाणा रोडवेज चली। शराब ठेके के सामने बाइक सवार तीन युवकों ने बस को रूकवाकर आगे का शीशा तोड़ दिया। परिचालक के साथ हाथापाई भी की। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक युवक को काबू कर लिया, जबकि दो युवक भाग गए। जिसके बाद बस चालक बस में सवारियों को बैठाकर जयपुर के लिए रवाना हो गया। वहीं खबर लिखे जाने तक किसी भी तरफ से शिकायत दर्ज नहीं हुई थी।

परिचालक अनिल कुमार ने बताया कि हिसार से जयपुर जाते समय कोटपुतली रोड पर पैट्रोल पंप बाइक पर सवार तीन युवक बस के साइड में हाथ से मारते हुए चले। जैसे ही बस शराब के ठेके के सामने पहुंची तो युवकों ने बाइक को बस के आगे लगा दिया और सामने के शीशे पर पत्थर मारकर शीशा तोड़ दिया। रोकने पर उसका गला पकड़ लिया और गाली गलौच की। उन्होंने बताया कि तीनों युवकों ने नशा कर रखा था। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक युवक को पकड़ लिया। जिसके बाद चालक बस जयपुर के लिए रवाना हुई।